	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	04-11-23	02	5-6

डिजिटलाइजेशन से नई तकनीकों से जुड़ने का किया आह्वान

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इसमें बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। मुख्यातिथि ने उपस्थित वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समय के साथ हमें भी अपने अंदर परिवर्तन लाना चाहिए। उन्होंने बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय को आज के समय की मांग बताते हुए कहा कि शिक्षकों को बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर इसे अपने कार्यों में इस्तेमाल में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आनलाइन व आफलाइन सिस्टम के बीच सामंजस्य कर इजाद की गई तकनीक विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी क्योंकि पढ़ाई या फिर शोध विषयों में होने वाली मीटिंग या फिर क्लासरूम में कई बार विद्यार्थी व शिक्षाविद प्रत्यक्ष रूप से शामिल न होकर डिजिटलाइजेशन माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से अपना काम निरंतर रूप से जारी रख सकते हैं। इस दौरान नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (आइएएसआरआइ) में कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. सुदीप मारवाहा ने नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषयों की विस्तृत जानकारी दी। प्रधान वैज्ञानिक डा. शशि दहिया ने भी नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म की गतिविधियों, रूपरेखा सहित कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान समय में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों में चल रहे उपरोक्त प्रोजेक्टों की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डा.. मंजु मेहता ने सभी का स्वागत किया।

हकृवि में कार्यशाला के शुभारंभ पर संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। • पीआरओ

(लोगो)	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	04-11-23	06	6-8

हकृवि में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर कार्यशाला आरंभ

हिसार, 3 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में उपस्थित वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समय के साथ हमें भी अपने अंदर परिवर्तन लाना चाहिए। उन्होंने बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय को आज के समय की मांग बताते हुए कहा कि शिक्षकों को बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर इसे अपने कार्यों में इस्तेमाल में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन व ऑफलाइन सिस्टम के बीच सामंजस्य कर इजाद की गई तकनीक विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी क्योंकि पढ़ाई या फिर शोध विषयों में होने वाली मीटिंग या फिर कलासरूम में कई बार विद्यार्थी व शिक्षाविद् प्रत्यक्ष रूप से शामिल न होकर डिजिटलाइजेशन माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से अपना काम निरंतर रूप से जारी रख सकते हैं। इस दौरान नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)- भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (आईएएसआरआई) में कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुदीप मारवाह ने नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषयों की विस्तृत जानकारी दी। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शशि दहिया ने भी नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म की गतिविधियों, रूपरेखा सहित कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान समय में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों में चल रहे उपरोक्त प्रोजेक्टों की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर नई दिल्ली के (आईसीएआर)- भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान से आए विभोर त्यागी, रजनी, आदर्श कुमार सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक भी शामिल रहे।

हकृवि में दो दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	04-11-23	12	2-5

वैज्ञानिकों को नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान

- हकृवि में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आरंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। हकृवि में दो दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में उपस्थित वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समय के साथ हमें भी अपने अंदर परिवर्तन लाना चाहिए। उन्होंने बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय को आज के समय की मांग बताते हुए कहा कि शिक्षकों को बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर इसे अपने कार्यों में इस्तेमाल में लाना चाहिए। इस दौरान नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (आईएएसआरआई) में कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुदीप मारवाहा ने नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषयों की विस्तृत जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	04.11.23	03	3-4

वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन से जुड़ने का किया आह्वान

एचएयू में दो दिवसीय कार्यशाला की हुई शुरूआत

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इसमें बतौर मुख्यातिथि विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे। मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने संबोधन में उपस्थित वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समय के साथ हमें भी अपने अंदर परिवर्तन लाना चाहिए। उन्होंने बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय को आज के समय की मांग बताते हुए कहा कि शिक्षकों को बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर इसे अपने कार्यों में इस्तेमाल में लाना चाहिए। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शशि दहिया ने भी नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म की गतिविधियों, रूपरेखा सहित कार्यों पर प्रकाश डाला। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजु मेहता ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर नई दिल्ली के आईसीएआर- भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान से आए विभोर त्यागी, डॉ. अमोघवर्षा रजनी, आदर्श कुमार सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष और वैज्ञानिक भी शामिल रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	04-11-23	05	7-8

हकृवि कार्यशाला में नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान

कार्यशाला में मौजूद प्रतिभागी।

हिसार, 3 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में नैशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं ब्लैंडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर 2 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इसमें बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे।

मुख्यातिथि ने वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समय के साथ हमें भी अपने अंदर परिवर्तन लाना चाहिए। उन्होंने ब्लैंडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय को आज के समय की मांग बताते हुए कहा कि शिक्षकों को ब्लैंडिड लर्निंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर इसे अपने कार्यों में इस्तेमाल में लाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	04-11-23	02	06

वैज्ञानिक नई तकनीक, संसाधनों से जुड़ें : प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रणाली और मिश्रित शिक्षण मंच विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि समय के साथ हमें भी अपने अंदर परिवर्तन लाना होना। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजु मेहता ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर सहायक वैज्ञानिक डॉ. अमोघवर्षा, भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान से विभोर त्यागी, रजनी, आदर्श कुमार मौजूद रहे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	03.11.2023	--	--

नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर कार्यशाला आरंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय

कार्यशाला आरंभ हुई जिसमें बतौर मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। मुख्यातिथि ने वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समय के साथ हमें भी अपने अंदर परिवर्तन लाना चाहिए। उन्होंने ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय को आज के समय की मांग बताते हुए कहा कि शिक्षकों को ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर

[illegible] में दो दिवसीय कार्यशाला में मौजूद प्रतिभागी।

इसे अपने कार्यों में इस्तेमाल में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन व ऑफलाइन सिस्टम के बीच सामंजस्य का इजाद की गई तकनीक विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी क्योंकि पढ़ाई या फिर शोध विषयों में होने वाली मीटिंग या फिर पाठ्यक्रम में कई बार विद्यार्थी व शिक्षाविद् प्रत्यक्ष रूप से शामिल न होकर डिजिटलाइजेशन माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से अपना कार्य निरंतर रूप से जारी रख सकते है।

इस दौरान नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (आईएएसआरआई) में कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुदीप मारवाहा ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म जूम, गूगल मीट, वेब एक्स का एडवांस वर्जन है, जिसमें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थी, शिक्षाविद् अपने विषयों से संबंधित मीटिंग में भाग ले सकते हैं। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सतीश [illegible] ने भी नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म की गतिविधियों, [illegible] कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान समय में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों में चल रहे उपरोक्त प्रोजेक्टों की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजु मेहता ने सभी का स्वागत किया, जबकि सहायक वैज्ञानिक डॉ. [illegible] ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर नई दिल्ली के (आईसीएआर)- भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान से [illegible] स्वामी, राजनी, आदर्श कुमार सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक भी शामिल रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	03.11.2023	--	--

हर व्यक्ति को खुद को अपग्रेड कर नई तकनीकों से जुड़ना जरूरी, तभी होगा सर्वांगिण विकास : प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 3 नवम्बर : सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है। जरूरत है तो बस अपने अंदर इच्छाशक्ति, लगन, एकाग्रता, संकल्प, मेहनत, अनुशासन जैसे गुण पैदा करने की। अगर हम इन गुणों को अपनाकर किसी भी कार्य को करते हैं तो निश्चित रूप से हमें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। इसलिए हर कर्मचारी को अपने भीतर उपरोक्त गुणों को विकसित कर अपने काम का निर्वहन करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन अकादमी द्वारा गैर शिक्षण कर्मचारियों की विभागीय परीक्षा के लिए आयोजित पांच दिवसीय ट्रेनिंग कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस ट्रेनिंग में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गैर-शिक्षक कर्मचारी भाग ले रहे हैं।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विज्ञान के इस युग में शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी तेजी के साथ बदलाव आ रहे हैं। इस बदलते परिवेश में हर कर्मचारी को अपनी कार्यकुशलता के लिए खुद को अपग्रेड करना व नई तकनीक को भी अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि एक अनुशासित कर्मचारी योग्यता, कौशल एवं क्षमता के बल पर प्रत्येक कार्य का सरलता से निपटान कर सकता है। मुख्यातिथि ने कहा कि यह विश्वविद्यालय एक बड़ा प्लेटफार्म है, जहां आयोजित होने वाले ट्रेनिंग कोर्सों से हर प्रतिभागी को आत्मविश्वास, एकाग्रता, कड़ी मेहनत व इच्छाशक्ति जैसे गुण अपने भीतर विकसित करने में सहायता मिलती है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे ईमानदारी व कर्तव्य निष्ठता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें ताकि वे विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर सकें।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने मुख्यातिथि सहित उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया और इस ट्रेनिंग कोर्स की विषय वस्तु के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उपरोक्त निदेशालय में संयुक्त निदेशक व कोर्स संयोजक डॉ. मंजू नागपाल महता ने मंच संचालन किया, जबकि सहायक वैज्ञानिक व सह कोर्स संयोजक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	04.11.2023	--	--

हकृवि में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आरंभ

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में उपस्थित वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समय के साथ हमें भी अपने अंदर परिवर्तन लाना चाहिए। उन्होंने बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय को आज के समय की मांग बताते हुए कहा कि शिक्षकों को बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर इसे अपने कार्यों में इस्तेमाल में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन व ऑफलाइन सिस्टम के बीच सामंजस्य कर इजाद की गई तकनीक विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी क्योंकि पढ़ाई या फिर शोध विषयों में होने वाली मीटिंग या फिर कलासरूम में कई बार विद्यार्थी व शिक्षाविद् प्रत्यक्ष रूप से शामिल न होकर डिजिटलाइजेशन माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से अपना काम निरंतर रूप से जारी रख सकते हैं।

इस दौरान नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (आईएएसआरआई) में कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुदीप मारवाहा ने नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषयों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा वैज्ञानिकों, शिक्षकों व विद्यार्थियों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों से जुड़ने के लिए किया जाएगा मार्गदर्शन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	03.11.2023	--	--

हकृवि में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आरंभ

हिसार (चिराग टाइम्स) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में उपस्थित वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समय के साथ हमें भी अपने अंदर परिवर्तन लाना चाहिए। उन्होंने ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय को आज के समय की मांग बताते हुए कहा कि शिक्षकों को ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल अपने कार्यों में इस्तेमाल में लाना चाहिए। इस दौरान नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान में कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुदीप मारवाहा ने नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषयों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म जूम, गूगल मीट, वेब एक्स का एडवांस वर्जन है, जिसमें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में विद्यार्थी, शिक्षाविद् अपने विषयों से संबंधित मीटिंग में भाग ले सकते हैं। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शशि दहिया ने भी नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म की गतिविधियों, कार्यप्रणाली सहित कार्यों का प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान समय में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों में चल रहे उपरोक्त प्रोजेक्ट्स की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजु मेहता ने सभी का स्वागत किया, जबकि सहायक वैज्ञानिक डॉ. [illegible] ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर नई दिल्ली के (आईएएसआरआई) भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान से आर. किशोर स्वामी, रजनी, आदर्श कुमार सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।